Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 01-03-2007
Participants : Singh Ch. Lal,Gowda Dr. (Smt.) Tejasvini

Title: Regarding problems being faced by Chamb/POK and West Pakistan Refugees.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): सभापति जी, मैं आपकी इजाजत से संक्षेप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विाय सदन में उठाना चाहता हूं। हमारे राज्य जम्मू-कश्मीर में तीन किस्म के रिफ्यूजी पार्टिशन के समय माइग्रेट हुए थे। हमारा काफी एरिया पाकिस्तान के कब्जे में है, जिसे पाकिस्तान आक्यूपाइड कश्मीर कहा जाता है। वहां से काफी लोग यहां आए थे। लेकिन उनकी जमीन, प्रापर्टी आदि का जो सैटलमेंट होना था, वह आज तक नहीं हो पाया है। वे लोग बहुत परेशान हैं और इसके साथ ही जो लोग वैस्ट-पाकिस्तान से चले आये थे वे लोग आज तक न तो असेम्बली में वोट डाल सकते हैं, न ही उन्हें आईएवाई के अंतर्गत मकान मिल सकता है और न ही उनके बच्चों को स्कूल में पढ़ाने की सुविधा है। उनके पास नौकरी नहीं है, मकान नहीं है, प्रॉपर्टी नहीं है और अपने बच्चों को पढ़ाने की सुविधा नहीं है, यह कहां का इंसाफ है। सन् 1971 में जब जंग हुई तो छम्ब और रजौरी के इलाके जो पाकिस्तान में चले गये, उनकी 37 हजार कैनाल जमीन पाकिस्तान में चली गयी। शिमला समझौते में कुछ चीजें सेटल हुईं कि इन लोगों को कैसे सेटल किया जाएगा और किस-किस को कितनी जमीन दी जाएगी, नौकरियां दी जाएंगी, बिजनैस दिये जाएंगे और उनके बच्चों को फ्री-एजूकेशन दी जाएगी, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ।

MR. CHAIRMAN: Please put your demand, and conclude. This is only a 'Zero Hour' mention, and not the time to make a speech.

CHAUDHARY LAL SINGH : Sir, this is not a speech. I am trying to mention the problem. I am not here to make a speech. हमें कोई शौक नहीं है। I am presenting the problem of that area.

MR. CHAIRMAN: You can raise the points, and conclude.

… (*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI B.K. HANDIQUE): Do not give a long speech. … (*Interruptions*)

चौधरी लाल सिंह : सर, आप मेरी बात सुनेंगे तो मेरी बात खत्म हो जाएगी। This is not a long speech. ये जो हमारी तीन मुश्किलें खड़ी हुई हैं, इनके लिए मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि इन लोगों के साथ इंसाफ कीजिए। यह बहुत बड़ी आबादी है। यह गवर्नमेंट ऑफ इंडिया और जे. एंड के का मसला है और हमारी सरकार दोनों ही जगह पर है। इस समस्या का हल किया जाए। धन्यवाद।

SHRIMATI TEJASWINI SEE RAMESH (KANAKAPURA): Sir, I would like to associate with the matter raised by Chaudhary Lal Singh.